

दिनांक 20/03/2017 को सम्पन्न एम0ए0 ज्योतिष पाठ्यक्रम निर्माण समिति का कार्यवृत्त

मानविकी विद्याशाखा के अर्न्तगत ज्योतिष विभाग में एम0ए0 ज्योतिष संचालन हेतु पाठ्यक्रम निर्माण समिति की बैठक दिनांक 20/03/2017 को सम्पन्न हुई जिसमें प्रतिभाग करने वाले सदस्य निम्नलिखित हैं:-

1. प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल - संयोजक एवं निदेशक, मानविकी विद्याशाखा
2. प्रोफेसर शिवाकान्त झा - कुलपति, नालन्दा मुक्त विश्वविद्यालय, पटना
3. प्रोफेसर चन्द्रमा पाण्डेय - संकाय प्रमुख, संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
4. डॉ0 कामेश्वर उपाध्याय - राष्ट्रीय महासचिव, अखिल भारतीय विद्वत परिषद
5. डॉ0 देवेश कुमार मिश्र - सहायक प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
6. डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी - सहायक प्राध्यापक एवं समन्वयक, ज्योतिष विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

संस्तुतियाँ -

बैठक की संस्तुतियाँ निम्नानुसार हैं:-

1. पाठ्यक्रम समिति में आन्तरिक व बाह्य विशेषज्ञ/ सदस्यों द्वारा एम0ए0 ज्योतिष प्रथम वर्ष के चार प्रश्नपत्र एवं एम0ए0 ज्योतिष द्वितीय वर्ष के कुल पाँच प्रश्नपत्रों का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया।
2. दोनों वर्षों के पाठ्यक्रम में प्रश्नपत्र वार आबंटित इकाईयों के शीर्षकों का निर्धारण हुआ।
3. एम0ए0 ज्योतिष पाठ्यक्रम का कोड MAJY-17 निर्धारित किया गया।
4. समिति के समक्ष एम0ए0 ज्योतिष पाठ्यक्रम की समस्त ईकाईयों के लेखन कार्य किये जाने हेतु इकाई लेखकों व प्राश्रिकों की सूची का अनुमोदन दिया गया।
5. समिति ने यह संस्तुति दी कि एम0ए0 ज्योतिष पाठ्यक्रम में उन्हीं छात्रों को प्रवेश दिया जाय जो स्नातक ज्योतिष या समकक्ष उपाधि धारण करते हों। इसके अतिरिक्त ऐसे छात्र जो स्नातक कक्षा में एक विषय के रूप में ज्योतिष विषय का अध्ययन कर चुके हों, वे छात्र भी प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।
6. उक्त समिति ने अधिकृत किया कि विषय समन्वयक द्वारा निदेशक के परामर्श के साथ मा0 कुलपति जी से अनुमोदन प्राप्त करके लेखकों, प्राश्रिकों, सम्पादकों इत्यादि की नामावली तथा पाठ्यक्रम के कोड में यथावश्यक समावेश/समायोजन/परिवर्तन किया जा सकेगा।

[Signature]
20/3/17

[Signature]
20/3/17

[Signature]
20/3/2017

[Signature]
20.03.17

[Signature]
20/3/2017

[Signature] 20.3.2017

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी, नैनीताल

दिनांक 07.07.2017 को सम्पन्न एम.ए. ज्योतिष अध्ययन बोर्ड का कार्यवृत्त

मानविकी विद्याशाखा के अन्तर्गत ज्योतिष विभाग में एम.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम संचालन हेतु पाठ्यक्रम निर्माण समिति के पश्चात् द्वितीय चरण में अध्ययन बोर्ड की बैठक दिनांक 07 जुलाई 2017 को सम्पन्न हुई। जिसमें प्रतिभाग करने वाले सदस्य निम्नलिखित हैं -

1. प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल - संयोजक एवं निदेशक, मानविकी विद्याशाखा।
2. प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी - अध्यक्ष, वास्तुशास्त्र विभाग, श्रीलालबहादुरशास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, कटवरिया सराय, नई दिल्ली।
3. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी - सहायक प्राध्यापक एवं समन्वयक, ज्योतिष विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।

संस्तुतियाँ -

बैठक की संस्तुतियाँ निम्नानुसार हैं :-

1. अध्ययन बोर्ड में आन्तरिक व बाह्य विशेषज्ञ/सदस्यों द्वारा पाठ्यक्रम निर्माण समिति में निर्मित एम.ए. ज्योतिष प्रथम वर्ष के चार प्रश्न पत्र एवं एम.ए. ज्योतिष द्वितीय वर्ष के कुल पाँच प्रश्नपत्रों का अवलोकन किया गया। अवलोकनोपरान्त पाठ्यक्रम में संशोधन किया गया।
2. दोनों वर्षों के पाठ्यक्रम में प्रश्नपत्र वार आवंटित इकाईयों के शीर्षकों का निर्धारण हुआ।
3. एम.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम का कोड MAJY-17 निर्धारित किया गया।
4. समिति द्वारा एम.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम की समस्त इकाईयों का लेखन कार्य किये जाने हेतु इकाई लेखकों व प्राश्रिकों की सूची का अनुमोदन दिया गया।
5. समिति ने यह संस्तुति दी कि एम.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम में उन्हीं छात्रों को प्रवेश दिया जाय जो स्नातक ज्योतिष या समकक्ष उपाधि धारण करते हों। इसके अतिरिक्त ऐसे छात्र जो स्नातक कक्षा में एक विषय के रूप में ज्योतिष विषय का अध्ययन कर चुके हों, वे छात्र भी प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।
6. समिति द्वारा एम.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम के आधार पर भविष्य में Ph.D (विद्यावारिधि) पाठ्यक्रम का भी संचालन की जाने की संस्तुति दी गयी।
7. उक्त समिति ने अधिकृत किया कि विषय समन्वयक द्वारा निदेशक के परामर्श के साथ माननीय कुलपति जी से प्राप्त अनुमोदन करके लेखकों, प्राश्रिकों, सम्पादकों इत्यादि की नामावली तथा पाठ्यक्रम के कोड में यथावश्यक/समावेश/समायोजन/परिवर्तन किया जा सकेगा।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी, नैनीताल

दिनांक 01-02 फरवरी 2020 को सम्पन्न अध्ययन बोर्ड का कार्यवृत्त

मानविकी विद्याशाखा के अन्तर्गत संचालित ज्योतिष-कर्मकाण्ड विभाग में विभिन्न पाठ्यक्रमों के निर्माण, संशोधन एवं परिवर्द्धन हेतु अध्ययन बोर्ड की बैठक दिनांक 01-02 फरवरी 2020 को सम्पन्न हुई। जिसमें प्रतिभाग करने वाले सदस्य निम्नलिखित हैं -

1. प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल - संयोजक एवं निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय।
2. प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी - कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार।
3. प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय - अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
4. प्रोफेसर रामराज उपाध्याय - पौरोहित्य विभाग, श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नईदिल्ली।
5. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी - असिस्टेंट प्रोफेसर एवं समन्वयक, ज्योतिष-कर्मकाण्ड विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।

संस्तुतियाँ -

बैठक की संस्तुतियाँ निम्नानुसार हैं: -

1. अध्ययन बोर्ड में आन्तरिक व बाह्य विषय विशेषज्ञ/ सदस्यों द्वारा पाठ्यक्रम निर्माण समिति में निर्मित एम0ए0 ज्योतिष प्रथम वर्ष के चार प्रश्न पत्र एवं एम0ए0 ज्योतिष द्वितीय वर्ष के कुल पाँच प्रश्नपत्रों का अवलोकन किया गया। अवलोकनोपरान्त पाठ्यक्रम में संशोधन किया गया।
2. दोनों वर्षों के पाठ्यक्रम में प्रश्नपत्र वार आवंटित इकाईयों के शीर्षकों का निर्धारण हुआ।
3. एम0ए0 ज्योतिष पाठ्यक्रम का कोड MAJY-20 निर्धारित किया गया।
4. अध्ययन परिषद द्वारा पूर्व से संचालित एम.ए. ज्योतिष प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष के क्रमशः पुस्तकों के आठ तथा दस विभाग किये गये जिस आधार पर वर्तमान परिवर्तित स्वीकृत कोड इस प्रकार हैं-

पूर्व के कोड	वर्तमान परिवर्तित कोड
एम.ए. प्रथम वर्ष	
MAJY-101	MAJY-101, 201
MAJY-102	MAJY-102, 202
MAJY-103	MAJY-103, 203
MAJY-104	MAJY-104, 204

(प्रोफे. एच. पी. शुक्ल)

(डॉ. नन्दन कुमार तिवारी)

(प्रोफे. देवीप्रसाद त्रिपाठी)

(प्रोफे. विनय कुमार पाण्डेय)

(प्रोफे. रामराज उपाध्याय)

एम.ए. द्वितीय वर्ष	
MAJY-201	MAJY-301, 401
MAJY-202	MAJY-302, 402
MAJY-203	MAJY-303, 403
MAJY-204	MAJY-304, 404
MAJY-205	MAJY-305, 405

उक्त विभागों को अध्ययन परिषद द्वारा संस्तुत करते हुए सेमेस्टर प्रणाली में संचालित करने की अनुमति प्रदान की गयी। साथ ही विषय संचालक को अधिकृत किया गया कि अध्ययन परिषद अवलोकित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के सभी संशोधनों को टंकित कर मेल द्वारा विशेषज्ञों से सहमति प्राप्त कर ही अन्तिम रूप से लागू करें। इस पाठ्यक्रम की कुल क्रेडिट 72 होगी। एम.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम में प्रवेश की पात्रता पर विचार करते हुए अध्ययन परिषद द्वारा संस्तुत किया गया कि किसी भी विषय में स्नातक उपाधि प्राप्त अभ्यर्थी एम.ए. ज्योतिष में प्रवेश हेतु अर्ह होगा।

5. समिति द्वारा एम0ए0 ज्योतिष पाठ्यक्रम की समस्त इकाईयों का लेखन कार्य किये जाने हेतु इकाई लेखकों व प्राश्रिकों की सूची का अनुमोदन दिया गया।
 6. पूर्व से संचालित DVK-17 पाठ्यक्रम के चार प्रश्नपत्रों में आंशिक संशोधन किये गये। तथा इकाईयों की संस्तुति की गयी।
 7. पूर्व से संचालित CVK-17 पाठ्यक्रम के दो प्रश्नपत्रों में आंशिक संशोधन किये गये। तथा इकाईयों की संस्तुति की गयी।
 8. पूर्व से संचालित CPJ-17 तथा DPJ-17 पाठ्यक्रम के कुल चार प्रश्नपत्रों में संशोधन किये गये। तथा इकाईयों की संस्तुति की गयी।
 9. वास्तुशास्त्र में डिप्लोमा DVS-20 के अन्तर्गत कुल चार प्रश्न पत्रों का निर्माण कर संस्तुति दी गयी।
 10. वैदिक सृष्टि विज्ञान CVC-20 में प्रमाण पत्र के अन्तर्गत दो प्रश्न पत्रों का निर्माण किया गया।
 11. चिकित्सा ज्योतिष में डिप्लोमा पाठ्यक्रम DMA-20 के अन्तर्गत चार प्रश्न पत्र निर्मित किए गए।
- उपर्युक्तानुसार समस्त निर्मित पाठ्यक्रमों की निर्धारित इकाईयों को परिषद ने संस्तुति देते हुए लेखन कराये जाने सम्बन्धित स्वीकृतियाँ प्रदान की। साथ ही शुल्क निर्धारण का परामर्श भी परिषद ने दिया।

CVC-20 - 1500 रूपये

DVS-20- 2500 रूपये

DMA-20- 3000 रूपये

Mukherjee

K. Tiwari
02/02/2020

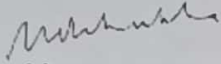
[Signature]
गुप्ता

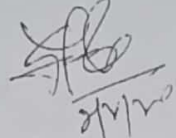
[Signature]
Kang

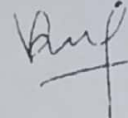
इसके अतिरिक्त अध्ययन परिषद द्वारा बी.ए. कर्मकाण्ड तृतीय वर्ष के (द्वितीय पत्र) प्रायोगिक को स्थगित/निरस्त होने की अनुमति प्रदान की गयी। इसके स्थान पर नवीन प्रश्नपत्र का BAKK-302 (सूक्त पाठ, स्तोत्र, व्रतोद्यापन दानादि विधान) निर्माण कर संस्तुति की गयी।

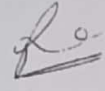
12. समिति ने ज्योतिष विषय में Ph.D (विद्यावारिधि) कराने हेतु भी संस्तुति प्रदान की।


13. उक्त समिति ने अधिकृत किया कि विषय समन्वयक द्वारा निदेशक परामर्श के साथ माननीय कुलपति जी से अनुमोदन प्राप्त करके लेखकों, प्राश्रिकों, सम्पादकों इत्यादि की नामावली तथा पाठ्यक्रम के कोड/इकाईयों के शीर्षक में यथावश्यक समावेश/समायोजन/परिवर्तन किया जा सकेगा।


(प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल)


(प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी)


(प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय)


(प्रोफेसर रामराज उपाध्याय)


(डॉ. नन्दन कुमार तिवारी)